₹ 5/

तुबारि

www.pangi.in
अब अंग्रेजी, हिन्दी त पंगवाड़ी भाषा अन्तर असी।

Issue 77; 10/08/2018

बिषय सूची

कुई	1
यक खरे मेह्णु प्रार्थना	1
ईये त कोईये हसाब-कताब	2
आत्म-सम्मान कीं बधता?	3
दर्जी सीख	4
खास वचन	4

तुस बुन्ह दुतो नम्बर बठ फोन कइ सकते त अकाशवाणी जे बोक कइ सकते। तुस अपु मनपसन घीते शुण सकते। होर तुस अपु समाचार बी दी सकते, से बि पांगेई भाषा अन्तर।

AIR SHIMLA- 0177 2808152

धाणि त **तसे जुएली** केआं अब सते बंटी अठ फेरे लवाण चाहिए। सत फेरे तेन्के व्याहे, आठुं जे फेरा असा, से कुई जे लवाण चहिए कि से कुई बचांते त तेस पढ़ान्ते ।

कुई

ओशी यक तोपू ईं भुन्ती कुई,
अगर कऊं जोरि जुओई टाल त रोलती कुई।
रोशन करियाल कुआ त बस यके कुल,
दुई दुई कुले लाज बचांती ए कुई।
कोई नेई दोस्ता, यक होरी केआं घट,
हीरा अगर असा कुआ त शुचे मोती ईं असी कुई।
कंटी बइ भरिए बथ ए अपफ हंठती रेहंती,
होरी के लिए फियुड़ बणती कुई।
विधि विधान असा एईंए दुनिये रस्म भुओ,
मुठड़ी अन्तर भरो पणि ईं भुन्ती कुई।

गौरी ठाकुर

यक खरा मेह्णु प्रार्थना

ए परमेश्वरा, में न्याए कर, किस कि अउं खराई जोई चलो असा,
त में भरोसा तोउ पुठ हमेशा असा।
ए भगवाना, मोउं जाच पड़ताड़ कर कइ परख। में मन त दिल परख।
किस कि तें दाह दया त
तें टीरी के समाड़ी असी,
त अउं हमेशा तें सच्चाई बथ हंठो असा।
अउं निकमि चाल चलणे बाड़ी के संग ना गा,
होर ना अउं कपटी जोई साते कोठि घेन्ता।
मोउं कुकर्मी मेह्णु के संगत हेर नफरत भुन्ती,
त दुष्ट मेह्णु के संग ना बिश्ता।
अउं अपु हतऊ पापे पणि बइ ना धुन्ता,
तोउं, ए परमेश्वरा अउं तें वेदी चोहरो कनार बइ फेरे लांता।
ताकि तें धन्यवाद हुशरी दी दी कइ करु,
त तें सोब चमत्कारी कमि के बारे बोल सकूं।
ए परमेश्वरा, अउं तें स्वर्ग धाम, त
तें महिमाई बिशणे जगाई जोई परेम रखता।

(बाकी वचो दोके पन्ने पुठ असा।)

ईए त कोईए हसाब-कताब

बोक सुआ पुरणी भुओ, दुई धाणि जुएली थिए। तेन्हि यक कुवा जमा। कुवा जमण केआं पता तसे धाणि मरी गा। धाणि मरण केआं पता तेन जिल्हाणु मेहनत मजदूरी कर कइ अपु कुवा पाड़ा त पढ़ा लिखा। तेन जिल्हाणु हरेक किसमी कम कर कर कइ से कुवा इस लेख बणा कि यक रोज से पढ़ लिख कई बोड अफसर बण गा। तोउं तेन कोईए ब्याह कइ छड़ा। ब्याह केआं पता तसे जुएली तसे ईए बारे तेस जे रोज चाथि लांतीथ, कि से तसे पियोकेबाड़ी के लेख नेई। तसे जुएली मेहणु जे बोलुण शरम लगतीथ कि तसे राणि अनपढ़ असी।

बोक सुआ बधती गई त यक रोज कोईए अपु ईया जे बोलु, "ईया" अउं चाहांता कि अब अउं इस लेख भोई गओ असा कि कोई बि कर्ज भरी सकता, ताकि अउं त तू दुहे जेईं सुखी रेही सकियेल। तोउं त आज तकर तेईं मोउं पुठ जतो बि सोब खर्चा कियो असा तसे सूद त ब्याज मियाई कइ मोउं जे बताण दे। अउं तेस भरी देन्ता। तोउं अस बखरे बखरे सुखी रेहंते। ईए सोच कइ जबाव दता। "कोईआ, हसाब धिक लम्मा असा। मोउं सोच कइ बताण एन्तु। थोडा टेम लोता।" कोईए बोलु, "कोई जल्दबाजी नेई ईये। दुई चोउर रोजे बाद बताण दे।"

तोउं रात भुई त सोब जेईं उंघ गए। ईए यक लोठू पुवाणी निउ त कोईए भखरी घेई गई। जठि कुवा उंघो थिया तसे बछाण पुठ यक कनारा पुवाणी छई छऊ। कुवा होर कना जे खिरक गा। ईए होर कनारा बि पुवाणी छई छऊ। कुआ जए जए जे खरकता रिहा, ई पुवाणी छती गई। तोउं परीशान भोई कइ कुवा खड़ी गा त ईया जे लेहेरी कइ बोलु "ईया तु कि करण लगो असी? मैं बछाण पूरु किस सेली छऊ?" ईए बोलु, "कोईआ, तेईं मोउं जे पूरी जिन्दगी हसाब-कताब बणाणे बोलो थियु ना। अउं अभेईं ईं हसाब लाण लगो थी कि तेईं मठड़ियार अन्तर बछाण सेली सेली कइ मेईं कति राती खाखड़ कटो असी। तें त इ पेहली रात भुओ बे कोईआ! तु त अभेईं केआं डर गा ना? मेईं त होता हसाब-कताब शुरु बि नेई कियो, जेस तु चुकाई सकियाल।" ईये अन्हि बोकी कोईए मन हिलाई छड़ा। से रात बइ सोचता रिहा। तेस इ एहसास भोई गओ थिया कि ईये करज पूरी जिन्दगी भइ चुकाई ना सकते। ई ठन्हि शिलियारे ईं असी। ई अपु गभुरु के लिए हरेक दुख, दरद, मुसीबत त कष्ट उठाण जे हमेशा तियार रेहंती।

पेहला पन्ने केआं वचो भाग....

में प्राण पापी जोई साते, त में जिन्दगी मेहणु मारी जोई ना मिया।
से त घटिया कम करण लगोरे रेहंते, त तेन्के देहणा हथ गुजि बइ भरोरा रेहंता।
पर अउं त खराई जोई हंठता रेहंता।
तु मोउं छुड़काण दे, त मोउं पुठ दाह-दया कर।
में खुर चोहरो कना सुसुर असे, अउं टजोट अन्तर तें धन्यवाद कता।

आत्म-सम्मान कीं बधाण?

पिछले फेरी असी हेरो थिउ कि यक मेहणु अन्तर आत्म-सम्मान कमी किस भुन्ति। इस फेरी अस हेरते कि अस अपु आत्म-सम्मान की कइ बधान्ते। पेहला कदम असा ईं कि असी पेहले अपु बारे सुसुर समझुण त पता लाण। किस कि जपल तकर अस अपु अपफ न जाणते, तपल तकर अस गलतफैमी अन्तर रेहन्ते त उलटे उलटे कम कते रेहन्ते। एस लिये जरुरी असु कि असी अपु अपफ ई पुछुण कि "अउं कोउं भो? इस धरती पुठ में की कम असु? होर मरण केआं पता में की भुन्तु?" ए से सवाल भो जेन्के जबाव अन्तर हें आत्म-सम्मान टिगता।

अगर मेहणु के बोक मान कइ अस एन्हि सवाली के जबाव ठीक कते त हें आत्म-सम्मान मेहणु के बोकी के ईं उडरता रेहन्ता। कदी खरा त कदी बुरा। मोउं पक्का यकीन असा कि तुसी अपु गीहे बाड़ी केआं जरूर शुणो भोल, जे तुसी जे कदी खरू त कदी बुरु बोते। पर आत्म-सम्मान बधाणे लिये असी तेस केआं शुणुण लौतु, जेसे बोक कदी ना बदलिन्ती। से भो भगवाने या परमेश्वरे बोक। तुसी पता लाण असा कि भगवान तुं बारे की बोता। से कि तुसी 'बानर केआं बणो होरा यक प्राणि भो' बोता, ना 'तुस सुआ खास असे' बोता, जेन्हि से अपु हतेउ बइ बणो असा? मोउं लगतु कि जपल अस अपु अपफ केस जानवरी केआं बणो होरा यक प्राणि मानते त असी अपफ अपु सही पेछाण नेई कइ बटो। किस कि मनख जानवरी के ईं पूरी उमर सिर्फ खाई पी कइ मरण ना चहान्ता, बल्कि से अगरी त पतूंई बारे सोचता, होर सोच कइ अपु सुहलियत कता। संसार अन्तर सिर्फ मनख यक ईं प्राणि असा, जेस सही त गलते एहसास भुन्ता। मोउं पूरा यकीन भोई गो असा कि हें बुछ ई कोई बि नेई जे जानवरी के ईं सिर्फ अपु जिन्दगी बारे सोचता। सोबी मेहणु के इच्छा भुन्ति कि से कुछ खास करे, जेसे बेलि मेहणु के फायदा भोल। त अगर असी मनखे एती सुहलियत किओ असी, त ए एस सोचे बेलि ईं किओ असी। इस बझई जोई अउं समझता कि आत्म-सम्मान बधाण लिये पेहले तुसी पता करण असा कि "तुस कोउं भिन्थ"।

दोका त टेका सवाले बारे तुस अपफ सोचीण दिए। तुस अपु मन अन्तर अपु बारे जे मानते, से कि जिन्दगी हर टेम अन्तर टिग सकता ना? धिक सोच कइ हेरे। आत्म-सम्मान बधाण जे असी भगवान केआं शुणुण जरुरी इस लिए असु, किस कि जपल अस परेशानी अन्तर भुन्ते, दुख तकलीफ अन्तर भुन्ते त असी भगवाने याद एन्ती। होर अस दुआ प्रार्थना, त पूजापाठ बि कते। अगर असी यक लिंग सुसुर पता चलियेल कि हें बारे से की बोता, होर हें बारे की सोचता, त हर यक औखि टेमे सामणा अस पूरे हिम्मत जोई कइ सकते। अगर अस मानते कि अस जानवरी केआं बणो असे त धरती पुठ हें जीणे कोई मकसद नेई। पर अगर अस मानते कि भगवाने अस बणो असे त जरूर धरती पुठ हें जीणे कोई मकसद असा। अस बगैर कोई मकसदे खरी जिन्दगी जीं ना सकते। जे जे मेहणु ईहांणि जीन्ते, तेन्हि जे अस अवारे, लफंगे बोते। पर अगर अस चहान्ते कि मेहणु हें बारे खरु बलियेल त असी यक मकसद घिन जीण एन्तु।

तुबारि पत्रिके अन्तर छपो सोबी लेख, त कथा अन्तर भुओ विचार सिर्फ लेखके भो। तुबारि पत्रिके एसे कोई जिम्मेबारी नेई। तुबारि पत्रिका सिर्फ भाषा सुहलियत करण जे यक मंच देण लगो असी।

दर्जी सीख

यक दर्जी थिया। तसे यक कुवा थिया, से स्कूल पढ़ताथ। जिखेईं तसे स्कूल छुट्टी पड़ी त से यक रोज अपु बोउ जुओई तसे दुकान गा। तठि घेई कई से अपु बोउ ध्यान जुओई हेरता रिहा कि कीं कम करण लगो असा? तेन हेरु कि तसे बोउ कीं कैंची बइ झणे काटता त कैंची खुरे भेड़ जंघी बइ चिकि रखता? फि सनआणी बइ झणे सींता त सी कई सनाण अपु टोप जुओई लाई छता।

जपल तेन कोईए अपु बोउ ईं कता 4-5 लिंगि कआ त तेस केआं चुप बिशिए नऊ। तोउं तेन कोईए अपु बोउ जे बोलु "बोउआ अउं तुसी केआं यक बोक पुछण चाहांता।" बोउए बोलु, "कोईआ, बोल की पुछुण चाहांता?" कोईए बोलु, "बोउआ, अउं सुआ टेम केआं तुसी हेरण लगो असा, जपल बि तुस झणे काटते, तढ़िया पता कैंची अपु खुर पढे चिक रखते, त सनाणी बइ झणे सीण केआं पता तेस तुस अपु मगरी पुठ टोप जुओई लाई छते। ईं किस?" एस बोकी, जे जबाव बोउए दुतु तेन्हि दुई लेनि अन्तर माने कि तेन्हि पूरे जिन्दगी मतलब समझाई छड़ा। जबाव थियु, "कोईआ, कैंची काटणे कम कती, त सनआण जोड़णे कम कती, त काटणे बाड़े जगा हमेशा घटिया भुन्ती, पर जोड़णे बाड़े जगा हमेशा बधिया भुन्ती। एईए बझा असी कि अउं सनआण टोप पुठ लांता, त कैंची खुर पड्डे रखता।"

तुबारि मासिक पत्रिका

♦अस इ उम्मिद करुं लगो असे कि एण बाड़े रोज अन्तर सुआ मेहणु इस कम अन्तर साथोट देन्ते।

♦इस *तुबारि* मासिक पत्रिका समाचार पत्र एक्ट अन्तर रिजिष्ट्रि नेई भो। सिर्फ पांगी घाटि अन्तर पढ़ुं जे त भाषाई सुहलियत करण जे इ पत्रिका शुरु किओ असी।

♦*तुबारि* यक अवाणिज्यिक पत्रिका भो।

♦*तुबारि* पत्रिका कोई मेहणु, जनजाति, त संस्कृति गलती कढ़ेण जे नेई छपाण लगो। अगर कोई ईं सोचता बि त अस जिम्मेबार नेई।

♦छपाणे पेह्ले सोभ आर्टिकल दुई टाई पांगेई मेहणु हरालो असे। इ त खुली बोक असी कि पेहलि बार पांगवाड़ि लिखणे सुआ मुशकिल भुन्ति त गलती बि भुन्ति। अगर कोई लिखणे गलती असी त असी जे जरूर बोले। त अस तसे होरे संस्करण पुठ ठीक करणे कोशिश कते।

♦आर्टिकल्स ना मिएल, या घाटि मेहणु के साथोट ना मिएल त *तुबारि* पत्रिका कदी बि बंद भुई सकती।

♦कोई चीज छपाः असी या नेई छपां जे *तुबारि* संपादकीय टीमे पुरा अधिकार असा।

♦अस किलाड़ केन्द्रीय पुस्तकालय, त बजार हरिराम लाले दुकान अन्तर *तुबारि* ड्रॉप बॉक्स पुठ बि अपुं सझाव ओर अर्टिक्लस रखुं जे सुविधा किओ असी।

♦अस सोबी पांगी मेहणु जे हात जोड़ कइ अनुरोध कते कि, तुस बि कोई अछा अर्टिक्ल, पुराणि या नोई कथा, कहावत, कविता, त नोई घीत (पागवाड़ी अन्तर) लिख कइ छपां जे हेंघे दिए।

तुबारि संपादकीय टीम

- 9418429574
- 9418329200
- 9418411199
- 9418904168
- 9459828290

खास वचन

•गलती नीमे बुटे नेई कि से कोड़ा असा, खुदगरजी त जिभुणु असी, कि जेस मठा पसन्द असा।

•नराज न भुण कदी ईं सोच कइ कि कम में त नऊ केसे होरी भुण लगो असु, घी त रुई हमेशा केईया जईते अओ असे, त मेहणु बोते दीया जाओ असा।

•ईन्सान ऊनि बिश कइ पैसा गणता, कि हि अत थिया आज अत बधी गा, ऊपरबाड़ा हसता त इन्साने साँस गिणता, कि हि अति थी आज अति घटी गई,

•दुनिए इस रैन बसेरे अन्तर पता नेई कत रोज बिशुण असु, त जीते जी सोबि के मन अन्तर बसे, एईए त सोबि केईया अबल जिन्दगी गेहड़ा भुओ।